बालवाटिका के बारे में

बालवाटिका कार्यक्रम को ग्रेड एक से पहले के बच्चों के लिए एक प्रारंभिक कक्षा के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जिसमें संज्ञानात्मक, भावनात्मक और मनोदैहिक क्षमताओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।मनोरंजक कक्षाओं द्वारा सीखना बालवाटिका 3-6 वर्ष के बीच के बच्चों के लिए एक पूर्वस्कूली शिक्षा है जिसे किसी भी नामकरण द्वारा संदर्भित किया जाता है आंगनवाड़ी, बालवाड़ी, नर्सरी, प्रीस्कूल, प्रारंभिक, प्री-प्राइमरी, एलकेजी, यूकेजी, आदि।

- एनईपी 2020 में उल्लेख किया गया है कि बुनियादी स्तर पर प्रत्येक बच्चा (3 से 8 वर्ष का निःशुल्क,सुरक्षित, उच्च गुणवत्ता और विकास की दृष्टि से उपयुक्त तक पहुंच होनी चाहिए प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई)।

- एनईपी 2020 लचीली, खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और पूछताछ-आधारित शिक्षा की सिफारिश करता है, जिसमें अक्षर, भाषाएं, संख्याएं, रंग, आकार, इनडोर और आउटडोर खेल और दृश्य कला, शिल्प, नाटक और कठपुतली, संगीत के अन्य रूप शामिल हैं।

बालवाटिका के लक्ष्य और उद्देश्य

1) शारीरिक और मोटर विकास

-बुनियादी आत्म-देखभाल और स्वच्छता का अभ्यास

-वस्तुओं को उठाने, चलने और दौड़ने में ताकत और सहनशक्ति दिखाता है।

-पौष्टिक भोजन के प्रति रुचि और समझ दर्शाता है और खाना बर्बाद नहीं करता।

2) सामाजिक-भावनात्मक और नैतिक विकास

-दूसरे बच्चों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार दिखाता है।

-कक्षा और स्कूल में सामाजिक मानदंडों को समझें और उनके प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

-जरूरत पड़ने पर दूसरों (जानवरों, पौधों सहित) के प्रति दया और मदद दिखाता है।

2) रचनात्मक और सौंदर्य विकास

-संगीत बनाने के लिए अपनी आवाज, शरीर, स्थानों और विभिन्न वस्तुओं की खोज और बजाना,रोल-प्ले, नृत्य और गतिविधि।

-कला में सहयोगात्मक रूप से काम करता है।

-कला, स्थानीय संस्कृति और विरासत के विभिन्न रूपों का निर्माण और अनुभव करते समय विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाओं का संचार और सराहना करता है।

3) भाषा एवं साक्षरता विकास

-पर्याप्त कामकाजी स्मृति, मानसिक लचीलापन और आत्म-नियंत्रण विकसित करता है।

-उन्हें संरचित वातावरण सीखने में सहायता मिलेगी।

-विभिन्न इंद्रियों का उपयोग करके वस्तुओं को देखता है, आश्चर्य करता है और अन्वेषण करता है, प्रश्न पूछता है।

-समझदारी के साथ कक्षा के मानदंडों को अपनाना और उनका पालन करना।

बालवाटिका का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। बच्चे अवलोकन करके, खेलकर, अन्वेषण करके, दोहराकर, नकल करके, प्रयोग करके सीखते हैं। वर्क लर्निंग (दृश्य, श्रवण, पढ़ें/ लिखें और काइनेस्टेटिक सीखने की शैलियाँ)।

4) विभेदित निर्देशों के लिए उपयोग की जाने वाली शिक्षण सामग्री-

-फ्लैशकार्ड

-विभिन्न प्रकार की कठपुतलियाँ जैसे उंगली कठपुतलियाँ, छड़ी कठपुतलियाँ, जुर्राब कठपुतलियाँ

-बातचीत (निःशुल्क और निर्देशित)

-कहानी सुनाना

-खिलौना आधारित शिक्षा

-गाने और तुकबंदी

-कला और शिल्प

-इंडोर और आउटडोर गेम्स

-अर्धवृत्त (एक साथ भोजन करने के लिए)

-जन्मदिन समारोह

-त्यौहार समारोह

-वार्षिक दिवस समारोह

-प्रकृति की सैर

-बालशिविर/बालमेला

5) फर्नीचर सुविधा

-बालवाटिका कक्षा की दीवारें रंग-बिरंगी हैं।

-बच्चों की आंखों के स्तर पर प्रदर्शित आकर्षक चित्र चार्ट

-लेबल वाले बक्सों में खेलने और सीखने की सामग्री

-बच्चों के लिए अपने लंच पैक आदि रखने के लिए जगह

-व्यक्तिगत कार्य और समूह कार्य दोनों के लिए पर्याप्त इनडोर स्थान

-आयु और विकास की दृष्टि से उपयुक्त शिक्षण-शिक्षण सामग्री की उपलब्धता

-बिल्डिंग ब्लॉक क्षेत्र

-पढ़ने का क्षेत्र

-समृद्ध पर्यावरण कक्षा प्रिंट

6) बालवाटिका की अवधि

बालवाटिका शिक्षा कार्यक्रम की अवधि प्रति दिन तीन घंटे की हैं।

बच्चे सप्ताह में पांच दिन, यानी सोमवार से शुक्रवार तक बालवाटिका कक्षाओं में भाग लेंगे।

कार्यक्रम में दिन के दौरान कुछ विश्राम अवधि का भी प्रावधान हैं।

गतिविधियों की कुछ झलकियाँ नीचे साझा की गई हैं-